बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च २०१९

हिंदी लोकवाणी

Time : 2 Hours **Max. Marks : 50**

सूचनाएँ:

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

"यार सुरेश?" अशोक ने अपने पारिवारिक मित्र से बड़े अचरज से पूछा, "मैं हमेशा देखता हूँ, तुम अपनी सौतेली माँ की दिन-रात सेवा करते रहते हो, लेकिन वह तुम्हें हमेशा बुरा-भला ही कहती है। बड़ी अजीब बात है, हमारे तो बस का काम नहीं है इतना सुनना, तुम कैसे कर लेते हो इतना सब?"

COEPian's ACADEMY™ We are a 'class' apart...

"करना पड़ता है भाई।" सुरेश ने फीकी मुस्कान से कहा, "इन्वेस्टमेंट सेंटर चलाता हूँ न, बाहर पैसे का इन्वेस्टमेंट करवाता हूँ और घर में संस्कारों का इन्वेस्टमेंट कर रहा हूँ।"

"संस्कारों का इन्वेस्टमेंट, वह कैसे?"

"बचपन में मैंने परिजनों को बुजुर्गों की सेवा करते देखा। इसी भाव का इन्वेस्टमेंट अब अपने बच्चों में कर रहा हूँ।"

(1) उत्तर लिखिए : **(2)**

(क) सौतेली माँ का सुरेश के साथ व्यवहार ....

(ख) सुरेश का सौतेली माँ के प्रति व्यवहार ....

(2) परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए : **(2)**

(ग) दो प्रत्यययुक्त शब्द – .... , ...।

(घ) दो विदेशी शब्द – .... , ...।

(3) 'बड़े-बुजुर्ग ही बच्चों के आदर्श' अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

> बहुरूपियों के बारे में हम सब जानते हैं। इन लोगों का पेशा अब समाप्त होता जा रहा है, किसी समय रईसों और अमीरों का मनोरंजन करने वाले बहुरूपिये प्राय: हर नगर में पाए जाते थे। ये कभी धोबी का रूप लेकर आते थे, कभी डाकिए का। हू-बू-हू उसी तरह का व्यवहार करके ये प्राय: लोगों को भ्रम में डाल देते थे। इनकी इसी सफलता से धोखा खा जाने वाला रईस इन्हें इनाम देता था। उसी तरह के बहुरूपिये का एक रूप मैंने राजस्थानी लोककथाओं में सुना था और मुझे वह अभी भी अच्छी तरह याद है।

(1) **एक** अथवा **दो** शब्दों में उत्तर लिखिए : **(2)**

(क) बहुरूपिये प्राय: यहाँ पाए जाते थे ....।

(ख) बहुरूपिये इनका मनोरंजन करते थे ....।

(ग) बहुरूपिये इनका रूप लेते थे ....।

(घ) ये लोगों को प्राय: भ्रम में डालते थे ....।

(2) (च) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

(1) गरीब × (2) बुरी ×

(छ) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन करके लिखिए: **(1)**

(1) बहुरूपिया – (2) लोककथाएँ –

(3) 'व्यक्तित्व विकास में कला का महत्त्व' अपने विचार लिखिए। **(2)**

COEPian's ACADEMY™
We are a 'class' apart...

विभाग 2 – पद्य : 10 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

सबका समान रवि है, शशि है,
सबका समान है मुक्त पवन;
सारे मानव यदि मानव हैं;
सबके समान हों भूमि-गगन
कब नवयुग ऐसी नव संस्कृति,
नव विश्व व्यवस्था लाएगा?
ऐसा वसंत कब आएगा?

(1) संजाल आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

कवि के अनुसार सबके लिए ये समान हैं

↓ ______ ↓ ______ ↓ ______ ↓ ______

(2) पद्यांश से समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

(1) स्वतंत्र = ________ (2) संसार = ________

(3) ‘समाज उन्नति में समानता का महत्त्व’ अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।
गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़-गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।
जाको राखै साइयाँ, मारि न सक्कै कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय।।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **(2)**

अ	आ
खोट निकालना	हाय
दुर्बल को सताना	साँस
लोहा भस्म होना	साईं
बाल भी बाँका न होना	गुरु
	जग

COEPian's ACADEMY™
We are a ‘class’ apart...

(2) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(1)**

उपसर्गयुक्त शब्द ________ ← बल → ________ प्रत्यययुक्त शब्द

(3) ‘जीवन में गुरु का महत्त्व’ अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 10 अंक

3. निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) सही शब्द छाँटकर लिखिए: **(1)**

यद्यपी, यद्यपि, यद्यीपी, यदयपि ....

निश्चल, निशचल, निष्चल, नीश्चल ....

(2) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

लेकिन

(3) कालभेद पहचानिए तथा परिवर्तन कीजिए: **(2)**

.... काल

↑

उसने पुराना गीत गाया।

↓

पूर्ण वर्तमानकाल

____

(4) (क) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

मुहावरा – डेरा लगाना

अर्थ –

वाक्य –

(ख) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(चौपट हो जाना, सिहर उठना)

असमय बारिश के कारण किसानों की खेती <u>नष्ट हो गई</u>।

(5) कृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
दुस्साहस	....	....
....	गण + ईश	....

COEPian's ACADEMY™
We are a 'class' apart...

(6) वाक्य भेद पहचानकर लिखिए:

(ग) चंपा के पौधे लगा लिए हों। (रचना के अनुसार) **(1)**

(घ) आपको सरदर्द कितने समय से है? (अर्थ के अनुसार) **(1)**

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 18 अंक

4. (अ) (1) पत्र-लेखन: **(4)**

सुमित/सुमिता तुपे, 3, 'लताकुंज', महात्मा नगर, वर्धा से अपने मित्र/सहेली समिर/समिरा दुबे, 5, 'स्नेहप्रभा' समता नगर, अमरावती को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

(2) कहानी-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए:

एक लड़की – घर में दादी के साथ अकेली – अचानक दादी की तबियत बिगड़ना – समयसूचकता दिखाना – डॉक्टर का आना – दादी की जान बचना – प्रशंसा पाना।

अथवा

गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों:

व्यापार और वाणिज्य ने यातायात के साधनों को सुलभ बनाने में योग दिया है। यद्यपि यातायात के साधनों में उन्नति युद्धों के कारण भी हुई है, तथापि युद्ध स्थायी संस्था नहीं है। व्यापार से रेलों, जहाजों आदि को प्रोत्साहन मिलता है और इनसे व्यापार को। व्यापार के आधार पर हमारे डाक-तार विभाग भी फले-फूले हैं। व्यापार ही देश की सभ्यता का मापदंड है। दूसरे देशों से जो हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, वह व्यापार के बल-भरोसे होती है। व्यापार में आयात और निर्यात दोनों ही सम्मिलित हैं। व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है।

(आ) (1) विज्ञापन-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

फूलों की प्रदर्शनी

विशेषताएँ	स्थान	समय	संपर्क

(2) निबंध-लेखन: **(6)**

निम्नलिखित किसी **एक** विषय पर लगभग 70 से 80 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) समय का सदुपयोग **(2)** मैं पृथ्वी बोल रही हूँ ....

COEPian's ACADEMY™
We are a 'class' apart...